दयालबाग़ साइंस ऑफ कॉन्शियसनेस 2020 1
एम.आई.टी. कोविड–19, 'टर्निंग द टाइड' 1
'भारत के .....डॉ. सैम पित्रोदा 2
विशिष्ट व्याख्यान– प्रो. विरल आचार्य 3
कार्यशाला व वेबिनार 4
विश्व योग दिवस 5
डी.ई.आई. NIRF रैंकिंग 5
स्वतंत्रता दिवस 6
डी.ई.आई. में शिक्षक दिवस 6
संस्कृत दिवस 6
हिंदी दिवस 7
अभियंता दिवस 7
शिक्षकोपलब्धियां 7
प्रेम विद्यालय 8

दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट (डीम्ड यूनिवर्सिटी)
दयालबाग़, आगरा (उ. प्र.)

डी.ई.आई. समाचार

अप्रैल–सितम्बर 2020
अंक 19

दयालबाग़ साइंस ऑफ कॉन्शियसनेस 2020

दयालबाग़ साइंस ऑफ कॉन्शियसनेस (दयालबाग़ चेतना विज्ञान) पर आधारित सम्मेलन का आयोजन सीधे संचार माध्यम से किया गया। जिसमें लगभग 242 विद्वानों ने सहभागिता की। जिसमें मुख्य वक्ताओं के व्याख्यानों के अतिरिक्त मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुति देने वाले विद्वज्जन भी सम्मिलित थे। ई.सत्संग, यू–ट्यूब आदि को मिलाकर 19 देशों के लगभग 100,000 लोग इस कार्यक्रम से जुड़े।

सम्मेलन को मुख्य दिशादृष्टि प्रदान करते हुए दयालबाग़ शिक्षा सलाहकार समिति के अध्यक्ष परम श्रद्धेय हुज़ूर प्रोफेसर प्रेमसरन सत्संगी साहब ने 'दयालबाग़ साइंस ऑफ कॉन्शियसनेस : टुवर्ड्स इवैल्यूशनरी आर्ट, साइंस एण्ड इंजीनियरिंग ऑफ कॉन्शियसनेस' पर अपने बहुमूल्य विचार प्रकट किए।

परम श्रद्धेय हुज़ूर प्रोफेसर प्रेमसरन सत्संगी साहब के वक्तव्य के आरम्भिक दूरदर्शी शब्दों का मर्म इस प्रकार था– 'हम दयालबाग़ में हैं जो स्वयं एक बेहतर दुनिया की संकल्पना है इसलिए हमें यह नहीं मान लेना चाहिए कि संसार की गतिविधियों से दूर रहकर ही ध्यान की अवस्था या ध्यान की प्रक्रिया को पूरा किया जा सकता है। वास्तविकता यह है कि हमें ध्यान की इस परामनोवैज्ञानिक और पारमार्थिक प्रक्रिया को

प्रश्रय देना चाहिए और जिसे अब हम शीर्षक दयालबाग़ साइंस ऑफ कॉन्शियसनेस (दयालबाग़ चेतना विज्ञान) के रूप में ग्रहण करते हैं।'

विभिन्न पारमार्थिक प्रगतिशील विचारों की प्रस्तुति, चेतना विज्ञान के इस सम्मेलन का आधार थी। जिसमें मौजूदा परिस्थितियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सीधे संचार माध्यमों के समुचित प्रयोग पर भी विचार किया गया। दयालबाग़ साइंस ऑफ कॉन्शियसनेस (दयालबाग़ चेतना विज्ञान) के तृतीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 21 मई 2021 में किया जाएगा। जिसकी सह मेज़बानी सी. ए. यू कील के द्वारा होगी। आयोजक प्रो. अन्ना होराथचेक एवं प्रो. आनंद श्रीवास्तव होंगे। वॉटरलू विश्वविद्यालय से डॉ. अपूर्वा नारायण सह–आयोजक के रूप में सहयोग प्रदान करेंगी।

एम.आई.टी. कोविड–19, 'टर्निंग द टाइड'

मेसाचुसेट्स तकनीकी संस्थान द्वारा कोविड–19 महामारी की स्थिति से निपटने के लिये भारत में 'टर्निंग द टाइड' का आयोजन 28–30 अगस्त 2020 को किया गया। इसके अंतर्गत लगभग 1500 प्रतिभागियों को चुना गया, जिसमें करीब 300 परामर्शदाता और 50 निर्णायक मंडल के सदस्य शामिल हुए थे।

हेकथॉन के इस आयोजन का उद्देश्य –

कोविड– 19 महामारी का सामना करने वाले हाशियाकृत समुदायों को सहयोग करना, ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा को पहुँचाना, लघु उद्योगों द्वारा कोरोना महामारी प्रदत्त चुनौतियों का सामना करना, कोविड–19

महामारी के दौरान और पश्चात समाधान के नए मार्गों को बताना, आर्थिक दृढ़ता हेतु सरकारी और निजी निधियों का प्रयोग करना, निजी एवं सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करना, मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य स्रोतों को उपलब्ध कराना, कोविड–19 महामारी के मुख्य बिन्दुओं को वैज्ञानिक आधार पर उद्घाटित करना, महामारी के दौरान निम्नस्तरीय गुणवत्ता को नियंत्रित करना और धोखाधड़ी को रोकना आदि। इस कार्यक्रम में उपर्युक्त बिन्दुओं और महत्त्वपूर्ण वक्तव्यों के अतिरिक्त पैनल परिचर्चा भी हुई। जिसमें श्री संजीव मेहता, अध्यक्ष–यूनिलीवर दक्षिण एशिया, डॉ. सौम्या स्वामी नाथन–मुख्य वैज्ञानिक, विश्व स्वास्थ्य संगठन, सुश्री श्रद्धा शर्मा–संस्थापक और सी.ईओ, योरस्टोरी, श्री.पंकज साहनी–सी. ई.ओ मेदांता, श्री अमिताभ कांत–सी.ई.ओ, एन.आई.टी.आई. आयोग शामिल हुए। कार्यक्रम में दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट की पांच टीमों ने भाग लिया। जिसमें दो टीमों को विजेता घोषित किया गया। सिलसिलेवार तरीके से उपर्युक्त प्रस्तावित बिन्दुओं पर सार्थक परिचर्चा संपन्न हुई।

प्रस्तावित समस्या – ग्रामीण भारत में कोविड रोगियों को शिक्षित करने ,कुशल प्रबंधन और महामारी नियंत्रण, स्मार्ट स्वास्थ्य आवास बनाने के लिए और एक स्व–शिक्षण मंच के रूप में सेवा करने के लिए एक गेमिफिक्शन –आधारित ऐप को तैयार करना।

इस टीम के सदस्य थे –डॉ. के. स्वामी दया, डी.ई.आई भारत, सुरोजीत बनर्जी, सॉल्यूशंस कैलिफोर्निया, बिस्वजीत डे, एटी एंड टी, कैलिफोर्निया, तीस्ता बैनर्जी, डायरेक्टर ऑफ स्ट्रेटजी, मर्स,यू.एस.ए। प्रस्तावित समाधान– ग्रामीण भारत में कोविड–19 प्रबंधन, 1 डॉक्टर के साथ 57: PHCs के साथ संसाधनों की कमी को समाप्त करना, ग्रामीण समुदायों में समुचित जागृति लाना और उन्हें शिक्षित करना।

महामारी के दौरान निम्नस्तरीय गुणवत्ता को नियंत्रित करना और धोखाधड़ी को रोकना –

समस्या कथन– शिकायतों की रिपोर्टिंग और प्रबंधन के लिए एक विश्वसनीय केन्द्रीय प्रणाली का अभाव है, इस अभाव को खत्म करना ।

परिचर्चा टीम : प्रतीश सत्संगी, कुश कुमार, अमोली गुप्ता, एनालिटिक्स कंसल्टेंट डीआईआई, फातिमा हिरानी, कम्युनिकेशन डिज़ाइनर, जेष्ठ पात्रा, प्रणव तीगावारापु।

इस प्रणाली द्वारा धोखाधड़ी और जाली गतिविधियों का शीघ्र पता लगाने, जीवन के नुकसान को रोकने और ऐसी गतिविधियों के कारण होने वाले वित्तीय नुकसान को कम करने में बहुत मदद होगी । यह अधिकारियों और एजेंसियों को धोखाधड़ी के मामलों में अन्तर्दृष्टि बनाने और निवारक उपायों को उचित और अनुकूल करने में मदद करेगा।

अन्य प्रतिभागियों में – प्रो. डी भगवान दास, डॉ. विजय कुमार, प्रो. के. हंसराज, प्रो. ए. के. सक्सेना, श्री परमान जोशन इत्यादि थे।

विभिन्न स्तरों पर दयालबाग़ प्रबंधन प्रणाली के अंतर्गत प्रतिभागी थे – प्रोफेसर के. महाराज कुमारी, प्रो.संजीव स्वामी, श्री भुवन निगम, श्री शैलेन्द्र पचौरी, श्री मयंक छाबड़ा, सुश्री स्नेहा सिंह। डॉ. अनूप श्रीवास्तव, डॉ. दयाल प्यारी श्रीवास्तव, श्री करण नारायण, श्रीमती मुक्ति श्री–नारायण, डॉ. बानी दयाल धीर, श्री अर्श धीर, श्री धीरज कुमार आदि।

डी.ई.आई ने 1 सितंबर 2020 को खेतों में आनंदोत्सव मनाया, जहां डी.ई.आई. के निदेशक प्रो.पी.के.कालड़ा ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के बारे में संक्षेप में जानकारी दी। इस अवसर पर अध्यक्ष –शिक्षा सलाहकार समिति, परम श्रद्धेय प्रो. पी.एस. सत्संगी साहब ने अपने शब्दवचन द्वारा अमृतमय आशीर्वाद प्रदान किया।

'भारत के हर जिले में एक दयालबाग़ विश्वविद्यालय होना चाहिए'–डॉ. सैम पित्रोदा

19 सितम्बर 2020। दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट द्वारा कोविड–19 की चुनौतियों से मुक्ति पाने के सम्बन्ध में संस्थान द्वारा किए गए प्रयासों पर केन्द्रित एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस परिचर्चा में कोविड–19 महामारी के दौरान संस्थान की शक्तियों का उपयोग करते हुए पूर्व में संचालित गतिविधियों को बेहतर और विस्तारित करने पर विचार किया गया। इस परिचर्चा को भारत में कम्प्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी और संचार क्रांति के प्रणेता, आईटी

विशेषज्ञ भारत सरकार के पूर्व वैज्ञानिक सलाहकार एवं प्रसिद्ध विश्वस्तरीय विद्वान डॉ. सैम पित्रोदा ने सम्बोधित किया। इस परिचर्चा में संस्थान की तरफ से प्रो0 सी0 पटवर्धन ने दयालबाग़ की शिक्षा प्रणाली एवं उसके आदर्शों को प्रस्तुत किया। डॉ0 विजय कुमार ने बताया कि दयालबाग़ में कोविड–19 के महामारी का रूप धारण करने के पहले ही इसके खतरों को भांपकर इसके बचाव के ज़रूरी उपायों का पालन शुरू कर दिया था, जैसे कि मास्क लगाना, हेलमेट लगाना और दस्ताने का उपयोग करना। प्रो0 के0 स्वामी दया ने बताया कि दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट में किस तरह से आदिवासी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में हाशिये के लोगों को शिक्षित करने एवं उद्यमिता विकास हेतु आधारभूत तकनीकी विकास पर विचार किया गया।

डीईआई ने उचित तकनीकी उपायों की सहायता से पूर्व सत्र की अंतिम परीक्षा को सफलता पूर्वक संचालित किया एवं मौजूदा सत्र की प्रवेश परीक्षा के लक्ष्य को भी समय से पूरा कर लिया। यह मोबाइल तकनीक, तकनीकी दक्षता, ऑनलाइन देख–रेख के उपायों के बेहतर उपयोग से ग्रामीण एवं दूरस्थ इलाकों में भी सम्भव हो सका। डॉ0 प्रेम सेवक सुधीश ने वैश्विक सहभागिता आधारित गतिविधियों के सहयोग से आदिवासी इलाकों एवं दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों हेतु किए जा रहे कार्यों का प्रस्तुतीकरण किया। प्रो0 के0 हंसराज ने एम0आई0टी0 द्वारा आयोजित ''कोविड–19 हैक्थॉन – इंडिया टर्निंग द टाइड'' में दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट की सहभागिता से संबंधित आख्या को प्रस्तुत किया। उल्लेखनीय है कि हैक्थॉन में कोविड–19 से संबंधित दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट द्वारा प्रस्तुत समाधानों को वैश्विक सराहना मिली एवं विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार भी प्राप्त हुए। इस अवसर पर अन्य वक्ताओं ने अपने अनुभव साझा किए एवं दयालबाग़ की गतिविधियों को अबाध रूप

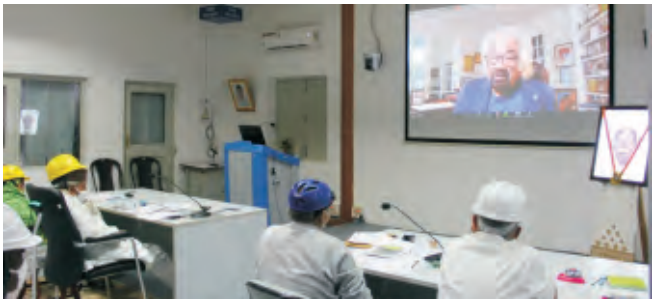

से जारी रखने और विस्तारित करने के संबंध में अपने सुझाव दिए। वक्ताओं से परिचर्चा के पश्चात माननीय सैम पित्रोदा ने अपने उद्गार इस प्रकार प्रस्तुत किए–''देश के प्रत्येक जिले में एक दयालबाग़ विश्वविद्यालय होना चाहिए–मैं आपके समर्पण–भाव पर चकित हूं। मुझे इस बात को जानकर बेहद खुशी हो रही है कि आपने हर कठिन समय में सराहनीय कार्य किया, हर अच्छे काम के लिए आपको बधाई .....जब मुझे गुजरात में काम करने का मौका मिला, मैंने गांधीवादी मूल्यों को सीखा। शिक्षा को आज आप जैसे निःस्वार्थ शिक्षकों की आवश्यकता है। आप सभी की तरह मैं भी शिक्षा को महत्त्व देता हूं। हमें भारत में बच्चों के लिए, विशेषकर वंचित वर्गों के बच्चों के लिए अपने शैक्षणिक संस्थानों का विस्तार करने की आवश्यकता है।''

यह परिचर्चा दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट के अध्यक्ष, श्री प्रेम प्रशान्त एवं संस्थान के निदेशक प्रो0 पी0के0 कालड़ा द्वारा संचालित की गई। इस अवसर पर दयालबाग़ शिक्षा सलाहकार समिति के अध्यक्ष परम् श्रद्धेय प्रो0 पी0एस0 सत्संगी साहब एवं पूजनीय रानी साहिबा की गरिमामयी उपस्थिति ने सभी कार्यक्रम से जुड़े सदस्यों और समन्वयकों को प्रेरणा प्रदान की।

विशिष्ट व्याख्यान–प्रो. विरल आचार्य

23 सितंबर 2020 को अर्थशास्त्र के सी वी स्टार प्रोफेसर विरल आचार्य, वित्त विभाग, न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय स्टर्न स्कूल ऑफ बिजनेस एवं पूर्व डिप्टी गवर्नर भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा ''सम रिफ्लैक्शन्स ऑन माइक्रोक्रेडिट एण्ड हाउ टु स्ट्रेन्थन इट्स प्रोविज़न'' इस विषय पर दयालबाग़ शिक्षण संस्थान द्वारा एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया।

प्रोफेसर विरल आचार्य ने अपने उद्बोधन में बताया कि कैसे बैंकों और क्रेडिट में नकद प्रवाह आधारित उधार प्रक्रिया बनाकर भारत में सभी क्रेडिट टू–जीडीपी अनुपात (जो कि 60% से कम पर रहता है) को बढ़ाने के लिए माइक्रोक्रेडिट की सुविधा दी जा सकती है।

अधिकांश भारतीयों के लिए विशिष्ट पहचानकर्ता, भारतीय रिज़र्व बैंक की सार्वजनिक क्रेडिट रजिस्ट्री और खाता एग्रीगेटर सिस्टम, गुड्स एंड सर्विसेज़ टैक्स (जीएसटी) के चालान, उपयोगिता भुगतान आदि के विषय में बताया।

प्रोफेसर प्रेम कुमार कालड़ा निदेशक डी.ई.आई. ने अतिथियों का स्वागत किया और संस्थान का परिचय दिया।

व्याख्यान के पश्चात प्रश्नोत्तर सत्र में छात्रों और शिक्षकों द्वारा प्रतिभागिता प्रदान की गई। प्रोफेसर विरल आचार्य ने विशेष रूप से समाज के कमज़ोर वर्ग के लिए शिक्षा के प्रति डी.ई.आई. की प्रतिबद्धता की सराहना की। डी.ई.आई. प्रणाली पर शिक्षकों द्वारा की गई लघु प्रस्तुति से वे अत्यंत प्रभावित हुए। इस व्याख्यान में परम श्रद्धेय प्रोफेसर पी.एस. सत्संगी साहब, अध्यक्ष, शिक्षा सलाहकार समिति, दयालबाग़ की गरिमामयी उपस्थिति रही एवं संपूर्ण विश्व के 1000 से अधिक दर्शकों ने जूम मीट एवं यूट्यूब चैनल द्वारा इसमें प्रतिभागिता की।

कार्यशाला व वेबिनार का आयोजन

• विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर 4 जून 2020 को रसायन विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय, दयालबाग़ शिक्षण संस्थान, दयालबाग़, आगरा द्वारा 'जलवायु, स्वास्थ्य और स्थिरता' पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस 2020 का केन्द्रीय लक्ष्य 'जैव विविधता का जश्न' है। वेबिनार के अध्यक्ष प्रोफेसर साहब दास, विभागाध्यक्ष रसायन विज्ञान ने वेबिनार के विषय पर संक्षिप्त में अपना विचार दिया। उन्होंने कहा कि इस वेबिनार का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण की अपनी ज़िम्मेदारियों का एहसास करने के लिए शिक्षाविदों, शोधकर्त्ताओं और आम जनता को एक साथ लाना है। प्रो. के. महाराज कुमारी ने रसायन विज्ञान विभाग द्वारा वायुमंडलीय विज्ञान के क्षेत्र में किए गए शोध योगदान पर प्रस्तुति दी। प्रो. प्रतीम विश्वास, अध्यक्ष, ऊर्जा, पर्यावरण और रसायन अभियांत्रिकी विभाग, सेंट लुइस, युएसए, वाशिंगटन विश्वविद्यालय ने अपनी प्रयोगशाला द्वारा विकसित माप तकनीक और निस्पंदन के बारे में अपने मूल्यवान विचार साझा किए। प्रो. सौरभ पाल, निदेशक, आईआईएसईआर, कोलकाता मुख्य अतिथि थे। उन्होंने पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान में कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान के अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला। प्रो. आर. गुरुनाथ ने एन–डिमिथाइल– फॉर्ममाइड जैसे कार्बनिक प्रदूषण के संबंध में विचार प्रस्तुत किए। प्रो. श्याम लाल, एमेरिट्स प्रोफेसर, फिज़िकल रिसर्च लेबोरेटरी, अहमदाबाद ने लॉकडाउन अवधि के दौरान भारत में ट्रेस गैसों के परिदृश्य पर बात की। प्रो. एस. सुरेश बाबू ने एरोसोल और जलवायु विषय पर विचार व्यक्त किए। वेबिनार के आयोजक सचिव डॉ. रंजीत कुमार ने कहा कि इस वेबिनार का उद्देश्य पर्यावरण की रक्षा के लिए एक सामाजिक मुद्दे के प्रति और अपनी जिम्मेदारी के प्रति आम लोगों का ध्यान आकर्षित करना था। प्रो. पी. के. कालड़ा, संस्थान के निदेशक ने इस आयोजन की सराहना की और इस तरह के समकालीन विषय पर वेबिनार आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रो. आनंद मोहन, कुलसचिव, डी.ई.आई., के साथ डॉ. अनीता लखानी, डॉ. अपर्णा सत्संगी, डॉ. मंजू श्रीवास्तव, डॉ. अशोक जांगिड ने कार्यक्रम में सक्रिय योगदान दिया।

• 30 अप्रैल 2020 को स्कूल ऑफ एजुकेशन, डी.ई.आई. द्वारा एडॉब स्पार्क पर एक वेबिनार आयोजित किया गया, जिससे शिक्षाशास्त्रियों व विद्यार्थियों में डिजिटल साक्षरता व सृजनात्मक कौशल का विकास किया जा सके साथ ही वे डिजिटल क्रियाविधियों को सीख सकें। 82 पूर्व–सेवाकालीन और सेवाकालीन शिक्षकों ने जतिन वशिष्ठ के मार्गदर्शन में एडोबस्पार्क टूल्स का उपयोग सीखा और अभ्यास किया। विक्रांत सत्संगी (माइक्रोसाफ्ट द्वारा प्रमाणित ट्रेनर तथा वरिष्ठ कार्यक्रम प्रबंधक–एडोब में शिक्षा और कौशल विकास कार्यक्रम) प्रतिभागियों के सभी सवालों के जवाब देने और उन्हें एडोब एजुकेशन एक्सचेंज प्लेटफॉर्म और उसके संसाधनों से परिचित कराने के लिए मौजूद थे। प्रतिभागियों ने रचनात्मक पोस्ट किए और समूह के साथ साझा किए। प्रोफेसर अर्चना कपूर, शिक्षा संकाय प्रमुख और प्रोफेसर नंदिता सत्संगी, समन्वयक, स्कूल ऑफ़ एजुकेशन, सक्रिय रूप से प्रतिभागियों को प्रेरित करने के लिए उपस्थित थे । वेबिनार का आयोजन सुश्री मुग्धा शर्मा, शिक्षा संकाय द्वारा किया गया।

• आंतरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) और स्कूल ऑफ एजुकेशन, शिक्षा संकाय, दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट, दयालबाग़ आगरा ने एल्सवेयर के सहयोग से 3 मई, 2020 को एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया, जिसका शीर्षक 'एनहेन्सिंग रिसर्च कम्युनिकेशन स्किल थ्रू साइंस डायरेक्ट एण्ड मेंडेली' था। इस ऑनलाइन कार्यशाला के विशेषज्ञ, श्री विशाल गुप्ता, (दक्षिण एशिया ईएलएसईवीईआर) ने साइंस डायरेक्ट और मेंडली की सेवाओं तथा कामकाज के साथ ही वैज्ञानिक प्रक्रिया को शिक्षकों और विद्वानों के समक्ष प्रस्तुत किया। उद्घाटन व्याख्यान प्रोफेसर संजीव स्वामी, सामाजिक विज्ञान संकाय, डी.ई.आई. के द्वारा दिया गया। कार्यशाला का संचालन डॉ. अमित गौतम, शिक्षा संकाय, डी.ई.आई. ने किया।

• 7 मई 2020 को डॉ. सोना आहुजा, शिक्षा संकाय, डी.ई.आई. द्वारा ऑनलाइन शिक्षण आधार स्रोतों पर एक वेबिनार आयोजित किया गया। इसमें दिल्ली, आगरा, तिमरनी और राजाबरारी से 25 सेवाकालीन शिक्षकों और प्रधानाचार्यों ने भाग लिया। वेबिनार का आयोजन स्कूल ऑफ एजुकेशन, शिक्षा संकाय, डी.ई.आई. के अन्तर्गत किया गया। प्रतिभागियों को क्रमशः एसिंक्रोनस और सिंक्रोन समोड में सामग्री साझा करने के लिए गूगल क्लास रूम और बिग ब्लूबटन से अवगत कराया गया। प्रतिभागियों को प्रायोगिक अनुभव भी दिया गया। उन्होंने गूगल क्लास रूम का उपयोग किया और समस्याओं पर चर्चा भी की।

• कॉग्नेटिव एण्ड मैटा कॉग्नेटिव स्ट्रैटेजीज़ ऑफ नॉलेज एक्वीज़िशन' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन 2 और 3 जून 2020 को स्कूल ऑफ एजुकेशन, शिक्षा संकाय, डी.ई.आई के अन्तर्गत किया गया। प्रो. नंदिताबाबू, मनोविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने इस ऑनलाइन कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया।

देशभर के 500 प्रतिभागियों को कॉग्नेटिव एण्ड मैटाकॉग्नेटिव शिक्षण तकनीकी में जानकारी और प्रयोगात्मक अनुभव प्रदान किए गये। कार्यशाला का संचालन डॉ. प्रतिमा सिंह और डॉ. पारुल खन्ना ने किया।

- दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डीम्ड यूनिवर्सिटी) ने कनाडा के साइमन फ्रेज़र विश्वविद्यालय के साथ "अंतर–क्रिया द्वारा प्रसन्नता एवं विवेक" विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्भाषण शृंखला का आयोजन किया। इस के तहत 18 जून को पहले सम्भाषण का आयोजन हुआ जिसमें कार्यक्रम का संयोजन डॉ. नेहा शिवहरे ने किया। मुख्य वक्ता कनाडा यूनिवर्सिटी ऑफ़ फ्रेज़रवैली की प्रोफेसर शोनाइ मैक्फर्सन ने ध्यान एवं प्रसन्नता के क्षेत्र में हो रहे शोध एवं स्वयं के अनुभवों को साझा किया। उनके साथ वार्तालाप को साइमन फ्रेज़र यूनिवर्सिटी के डॉ. थॉमस कुल्हम ने आगे बढ़ाया। इस संभाषण में लगभग बारह सौ से भी अधिक प्रतिभागियों ने इंटरनेट की सहायता से भाग लिया।

- 25 जून, 2020 को पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड ट्रेनिंग (PMMMNMTT) योजना के तहत वेल–बीइंग, हैप्पीनेस एंड विस्डम थ्रू इनर–वर्क (अंतर–क्रिया द्वारा खुशहाली एवं विवेक) पर डी.ई.आई. एवं कनाडा के साइमन फ्रेज़र विश्वविद्यालय द्वारा अंतरराष्ट्रीय संभाषण शृंखला की दूसरी वर्चुअल टॉक का आयोजन किया गया, जिसमें यूएसए के मैरीलैंड विश्वविद्यालय के प्रोजिंगलिन ने इस विषय पर एक वार्त्ता प्रस्तुत की –"समकालीन प्रथाएँ, महत्त्वपूर्ण ऊर्जा और गुण"। प्रोजिंगलिन ने इस विषय पर बोलते हुए चिंतनशील प्रथाओं, नैतिकता और शिक्षा के महत्त्व को समझाया।

- समाज विज्ञान संकाय वेबिनार डी.ई.आई. के समाज विज्ञान संकाय द्वारा दिनांक 17 फरवरी को डाटा एनालायसिस यूजिंग स्टैटक्राफ्ट विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता सांख्यिकीविद माननीय शुभदीप डे स्टैटक्राफ्ट बेंगलोर थे। आयोजन की संयोजिका प्रो. पूर्णिमा जैन थीं। प्रो. वंदना गौड़, डॉ. बीरपाल सिंह ठेनुआं, डॉ. अंजु शर्मा, डॉ. बसंत कुमारी उपाध्याय की आयोजन समिति की देख रेख में 261 प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

विश्व योग दिवस

कोरोना की महामारी के बीच योगाभ्यास ही एक ऐसा साधन है जो हमें न केवल बाहर से अपितु भीतर से भी स्वस्थ बनाता है, रोग अवरोधक क्षमता का विकास करता है। इसी विचार के साथ 21 जून 2020 को छठा 'विश्व योग दिवस' दयालबाग़ शिक्षण संस्थान में कोरोना महामारी के बीच सभी ज़रूरी एहतियात को अपनाते हुए उत्सव के रूप में मनाया गया। सीधे–संचार माध्यमों का प्रयोग करते हुए संस्थान के विज्ञान संकाय के प्रांगण में योग दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अजय वीर सिंह यादव उप निदेशक, समाज कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश तथा प्रोफेसर आर. सी. शर्मा, पूर्व कुलपति, आगरा विश्वविद्यालय थे। योग प्रशिक्षक डॉ. स्वामी दयाल सिन्हा, श्रीमती संगीता सिन्हा तथा श्री अभिनव सिन्हा ने योग के विभिन्न आयामों का वर्णन करते हुए सीधे संचार संपर्क में योगासन कराये। कार्यक्रम स्थल पर लगभग 25 से 30 प्रतिभागी शामिल हुए तथा दूरस्थ रहकर अपने घर से लगभग 100 प्रतिभागी सपरिवार इस योग दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। डॉ. आरती कपूर ने योग की महत्ता पर विस्तृत प्रकाश डाला।

छठवें योग दिवस का थीम 'घर में रहते हुए परिवार के साथ योग करना' था जिसको दयालबाग़ शिक्षण संस्थान में सही मायने में चरितार्थ किया गया।

योग महोत्सव की इस शृंखला में राष्ट्रीय योग महोत्सव 2020 प्रतियोगिता का द्वितीय पुरस्कार भी दयालबाग़ शिक्षण संस्थान, समाज विज्ञान संकाय की विद्यार्थी व राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेवक अंजुम निशा को मिला। योग महोत्सव 2020 प्रतियोगिता का आयोजन सीधे संचार माध्यम से पर्यटन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार तथा गैर सरकारी संस्था–माइंडशोयर ने संयुक्त रूप से किया था।

एन.आई.आर.एफ. रैंकिंग में डी.ई.आई. 82 वें स्थान पर

मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने 2020 के लिए देश के शीर्ष संस्थानों की राष्ट्रीय रैंकिंग जारी कर दी है। ये रैंकिंग 10 श्रेणियों में जारी की है। देश के 100 संस्थानों में 10 विभिन्न श्रेणियों में डी.ई.आई दयालबाग़ आगरा 82 वें स्थान पर है। दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट को इंजीनियरिंग श्रेणी में 102 वां स्थान प्राप्त हुआ है।

स्वतंत्रता दिवस

दयालबाग़ शिक्षण संस्थान में सदैव की ही भांति स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। कोरोना महामारी के मद्देनज़र 74 वें स्वतंत्रता दिवस के आयोजन के समय सामाजिक दूरी तथा सुरक्षा नियमों का पूर्ण पालन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दयालबाग़ शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त आई.ए.एस. अधिकारी श्री प्रेम प्रशांत जी थे। मुख्य अतिथि के विधिवत् स्वागत के पश्चात ध्वजारोहण किया गया एवं लहराते तिरंगे की शान में मार्च पास्ट किया गया। मुख्य अतिथि श्री प्रेम प्रशान्त जी ने अपने भाषण में स्वाधीनता के व्यापक अर्थ और महत्त्व को समझाते हुए सामाजिक एवं आध्यात्मिक स्वाधीनता का संदेश दिया। संस्थान के निदेशक प्रो. प्रेम कुमार कालड़ा ने इस वैश्विक महामारी से बचते हुए उन्नति के पथ पर बढ़ने का संदेश दिया। माननीय निदेशक महोदय के वक्तव्य के पश्चात मार्च पास्ट के लिए पुरस्कार वितरण हुआ जिसमें महिला वर्ग में डी.ई.आई. प्रेम विद्यालय की छात्राओं ने तथा

पुरुष वर्ग में डी.ई.आई. टेक्नीकल कॉलेज एवं अभियांन्त्रिकी संकाय के छात्रों ने संयुक्त रूप से प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। कार्यक्रम का समापन विश्वविद्यालय गान एवं वृक्षारोपण के साथ हुआ। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी गणमान्य उपस्थित थे ।

डी.ई.आई. में शिक्षक दिवस समारोह

डी.ई.आई. के विद्यार्थियों द्वारा 5 सितंबर 2020 को संचार माध्यम में शिक्षक दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना के साथ हुई।

इस मौके पर प्रसन्न प्रसाद ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन चरित्र प्रस्तुत करते हुए उनके पद चिह्नों पर चलने का आह्वान किया। एक अत्यंत ही सुदंर एनिमेटेड प्रस्तुति–''शिक्षक–लॉकडाउन वारियर्स'' के माध्यम से छात्रों ने महामारी कोविड–19 की अवधि के दौरान पूरे डी.ई.आई. शिक्षण समुदाय को धन्यवाद दिया।

निहारिका सिंह ने स्वरचित कविता, अरबाब अहमद और अंश राजौरिया ने संगीतमय प्रस्तुति प्रदर्शित की।

इस पावन दिवस पर डी.ई.आई. में लंबे, समर्पित और प्रतिबद्ध सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए प्रो. कमलेश कुमारी रवि, प्रो. गुरुप्यारी सत्संगी, प्रो. मनमोहन श्रीवास्तव और मेजर प्रीतम सिंह को सम्मानित किया गया। सम्मानित शिक्षकों ने अपने संबोधन में कहा कि उन्होंने संस्थान से बहुत कुछ सीखा है और हमेशा डी.ई.आई. के लिए उपलब्ध रहेंगे।

डी.ई.आई. के निदेशक प्रो. पी.के. कालड़ा ने अपने भाषण में सभी को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि माता–पिता के बाद शिक्षक ही वह शक्तिशाली रोल मॉडल हैं जो युवा शक्ति को प्रभावशाली ढंग से आकार देते हैं।

निदेशक महोदय ने आगे कहा कि निःस्वार्थता और समर्पण का सजीव उदाहरण यहां संस्थान में देखने को मिला जब कोविड–19 महामारी के चुनौतीपूर्ण दौर में शिक्षण और शिक्षणेतर कर्मचारी ज़रूरतमंद समुदाय के लिए स्वस्थ जैविक उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए आगे आए।

डी.ई.आई. के छात्रों की ओर से वत्सला सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन मणि पेंगोरिया और आर्यका महाजन ने किया।

संस्कृत दिवस

सस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में सस्कृत विभाग द्वारा आयोजित सस्कृत सप्ताह कार्यक्रम में विभिन्न ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विभाग के सभी विद्यार्थियों ने बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का विवरण और विजेताओं के नाम निम्नलिखित हैं–

अष्टाध्यायी सूत्र अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता–प्रथम स्थान–भूपेन्द्र गौतम, पीएच-डी, संस्कृत, द्वितीय स्थान–मेघा जैन, एम फिल, संस्कृत, तृतीय स्थान–मोहित कुमार पीएच-डी, संस्कृत। श्लोक गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान–स्वाति, द्वितीय स्थान–सोनम, तृतीय स्थान–ज्योति कर्दम, को मिला। पोस्टर संरचना प्रतियोगिता में –प्रथम स्थान–प्रिया वार्ष्णेय, द्वितीय स्थान–राधा माहौर, तृतीय स्थान–ईशिका को मिला। व्यंग्य लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान– जावित्री यादव, द्वितीय स्थान–गायत्री अनुरागी, तृतीय स्थान–निहारिका तथा रूबी, को मिला। प्रहेलिका प्रतियोगिता में प्रथम स्थान–निहारिका, द्वितीय स्थान– जावित्री यादव, तृतीय स्थान–गायत्री अनुरागी तथा रूबी को मिला। कथा लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान–हिमांशी, द्वितीय स्थान–अंजलि, तृतीय स्थान–श्रुति त्यागी तथा गुंजन यादव को मिला। निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान– हिमांशी, द्वितीय स्थान–श्रुति शर्मा, तृतीय स्थान– गुंजन यादव को मिला।

हिंदी दिवस 14 सितम्बर 2020

यह हर्ष का विषय है कि नयी शिक्षा नीति में हिंदी को महत्त्व प्रदान किया गया है, निस्संदेह राष्ट्र के हित हिंदी का महत्त्व है। इस वर्ष कोरोना के इस संक्रमण काल में सीधे संचार माध्यम का प्रयोग करते हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्रों में हिंदी के प्रति आदर सम्मान के अतिरिक्त रुचि और लगाव उत्पन्न करने का प्रयास किया गया।

संकाय के हिंदी विभाग द्वारा चार प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया–चित्र लेखन, कविता पोस्टर, निबंध लेखन, स्वरचित काव्य पाठ। सीधे संचार माध्यम से होने वाली इन प्रतियोगिताओं में न केवल डी.ई.आई. के विभिन्न संकायों के छात्रों ने हिस्सा लिया अपितु डेढ़गाँव, राजाबरारी के छात्रों ने भी प्रतिभागिता की। सभी प्रतियोगिताओं को मिला कर लगभग 300 छात्र–छात्राओं ने ऑनलाइन जुड़कर हिंदी के प्रति अपने रुझान को स्पष्ट किया। 14 सितम्बर शाम 4 बजे से होने वाले काव्य पाठ में प्रतिभागियों के साथ–साथ श्रोताओं का उत्साह दर्शनीय था, प्रत्येक कविता पर सन्देश प्रेषित करते हुए उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। काव्य पाठ में प्रथम स्थान–निहारिका सिंह, द्वितीय–समता, तृतीय–शिवानी उपमन्यु को प्राप्त हुआ। निबन्ध लेखन में प्रथम स्थान अन्नू कुमारी, द्वितीय–प्रियंका अवतानी, तृतीय रुपाली ने प्राप्त किया। चित्र लेखन में नित्या गुप्ता ने प्रथम खुशबू कुमारी ने द्वितीय, एवं शुभम सोनी और प्रज्ञान गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

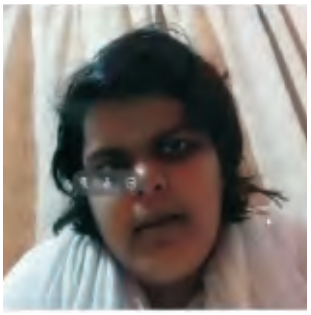

कला संकाय प्रमुख एवं हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. शर्मिला सक्सेना ने विद्यार्थियों को हिंदी की वर्तमान स्थिति से अवगत कराते हुए, राष्ट्र भाषा हिंदी की महत्ता पर विचार प्रकट किया। विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों के साथ सांस्कृतिक समन्वयक भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। कला संकाय के हिंदी विभाग के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुमन शर्मा ने किया। डॉ. नमस्या, डॉ. दयाल प्यारी सिन्हा एवं डॉ. सूरज प्रकाश ने प्रतियोगिताओं को व्यवस्थित रूप प्रदान किया।

अभियंता दिवस

53 वें अभियंता दिवस पर दयालबाग़ शिक्षण संस्थान में 15 सितम्बर 2020 को स्टूडेंट चैप्टर आई.ई.आई. कोलकाता द्वारा 'द रोल ऑफ इंजीनियर्स इन कोविड 19' पर एक वेबिनार आयोजित किया गया । इस समारोह में लगभग 266 प्रतिभागियों ने भाग लिया । कार्यक्रम की शुरुआत सदैव की भांति प्रार्थना के साथ की गई तत्पश्चात अभियंता दिवस के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए शैक्षणिक सत्र 2019–20 में छात्रों की गतिविधियों की आख्या प्रस्तुत की गई।

डॉ. डी. के. चतुर्वेदी ने तिजुआना इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, तिजुआना, मैक्सिको से आमंत्रित मुख्य वक्ता प्रो. ऑस्कर कैस्टिलो का परिचय दिया। प्रो. कैस्टिलो ने 'सॉफ्ट कम्प्यूटिंग और फ्रैक्टल थ्योरी' विषय पर अपना मूल्यवान भाषण दिया। जिसमें टाइप–2 फज़ी लॉजिक फायरली एलगोरिथम, न्यूरल नेटवर्क आर्कीटेक्चर फॉर कोविड–19 टाइम सीरीज़ प्रिडिक्शन आदि पर विचार किया गया।

स्टूडेंट चैप्टर के सलाहकार श्री ईशांत सिंघल ने गेस्ट ऑफ ऑनर श्री विवेक निगम बिज़नेस हेड आई.एस.जी.ई.सी हैवी इंजीनियरिंग का परिचय दिया। यह अत्यंत सुखद एवं

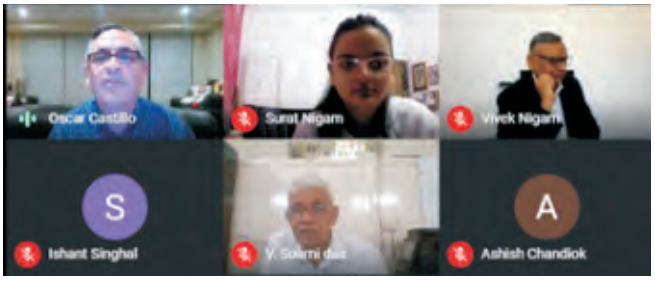

गौरवपूर्ण अनुभूति है कि माननीय विवेक निगम अभियांत्रिकी संकाय के 1980 बैच के पूर्व छात्र हैं। श्री निगम ने भारत और विदेशों में उद्योग के विस्तार के साथ आगामी और ट्रेंडिंग प्रोद्यौगिकी के समस्त आधारभूत तत्त्वों पर विचार किया।

कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक प्रो. पी.के. कालड़ा, संकाय प्रमुख प्रो. वी. स्वामी दास एवं श्री ईशांत सिंघल की प्रभावपूर्ण उपस्थिति ने छात्रों को प्रेरणा प्रदान की। संकाय प्रमुख प्रो. वी. स्वामी दास ने सभी सीधे संचार माध्यम से जुड़े अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का व्यवस्थित संचालन सुरत निगम बी.टेक प्रथम वर्ष के द्वारा किया गया।

शिक्षकोपलब्धियां

- डॉ. अमित गौतम ने "टूल्स फॉर ऑनलाइन टीचिंग" और "ऑनलाइन इवैल्यूएशन सॉफ्टवेयर" के दो सत्रों के लिए रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया। यह सहायक प्रोफेसर के लिए एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एजुकेशन, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जी जी एस आईपी यू) द्वारा 15 मई 2020 को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का विषय "डिज़ाइन एण्ड डवलपमैंट ऑफ मूक (एम ओ ओ सी) एण्ड ई–लर्निंग टैक्नोलॉजी" था।

• डॉ. अमित गौतम ने श्री लालबहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज गोंडा यूपी द्वारा 17 मई 2020 को आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया तथा ''रैलेवैंस ऑफ ऑनलाइन एजुकेशन इन कोविड 19 पैन्डेमिक'' पर एक व्याख्यान दिया।

• सुश्री मुग्धा शर्मा, शिक्षा संकाय ने 25 मई से 29 मई 2020 तक फिक्की फ्यूचर–एक्स प्रोफेशनल द्वारा आयोजित 'प्लानिंग योर वर्चुअल क्लास रूम' फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम की योजना पर एक सत्र के लिए एक मुख्य वक्ता के रूप में काम किया।

• डॉ. सोना दीक्षित ने स्किल्स फॉर न्यू एजुकेशनल आर्कीटैक्चर में सीधे संचार माध्यम से पुनश्चर्या पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया। जिसका आयोजन संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय महाराष्ट्र ने स्वयं के माध्यम से किया। डॉ. दीक्षित ने असिस्मैंट पर वेबिनार में रिसोर्स पर्सन के रूप में काम किया। उन्होंने 16 मई 2020 को संज्ञानात्मक कौशल, ब्लूम्स टैक्सोनॉमी और उच्च संज्ञानात्मक उपकरणों पर चर्चा की। उन्होंने 3 जून 2020 को दयानंद महिला प्रशिक्षण कॉलेज, कानपुर द्वारा आयोजित कोविड–19 महामारी की अवधि में प्रभावी प्रगतिशील जीवन शैली पर राष्ट्रीय वेबिनार में विशिष्ट वक्ता के रूप में काम किया और वर्तमान समय में मनोवैज्ञानिक भलाई और प्रगतिशील जीवन शैली पर व्याख्यान दिया।

• डॉ. नेहा जैन और डॉ. श्वेता अग्रवाल ने एन एस एस टी सी फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम फॉर टीचर एजुकेटर्स– एन एस एस ट्रेनिंग कॉलेज चंगनाचेरी और एन एस एस ट्रेनिंग कॉलेज पंडालम द्वारा 25 से 30 मई 2020 तक सीधे संचार माध्यम में अल्पकालीन पाठ्यक्रम में भाग लिया।

• डॉ. श्वेता अग्रवाल ने 7 मई, 2020 को बीटा प्रौद्योगिकी के साथ एसोसिएशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन साइंसेज, मार्क ग्रेगोरीस कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज द्वारा आयोजित" ऑनलाइन शिक्षण विधियों और शिक्षाशास्त्र" पर ऑनलाइन राज्य स्तरीय संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

• श्री बजरंग भूषण ने डिपार्टमेंट ऑफ कम्प्यूटर एप्लिकेशन्स, रथिनम कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोयंबटूर द्वारा आयोजित ''मशीन लर्निंग'' पर 26 मई 2020 में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में भाग लिया।

• डॉ. नेहा जैन व डॉ. श्वेता अग्रवाल ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज़ और ओपन लर्निंग के लिए ओपन टेक्नॉलॉजी पर यूनेस्को के ऑनलाइन मेंटरिंग प्रोग्राम के तहत विकसित" कोऑपरेटिव लर्निंग पेडागॉजी" पर 4 वीक एम.ओ.ओ.सी. ऑनलाइन कोर्स में शामिल हुईं।

प्रेम विद्यालय

25 अप्रैल 2020 को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिला आगरा द्वारा वेस्ट मटेरियल क्राफ्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत प्रेम विद्यालय की छात्रा गुनगुन बिष्ट ने प्रतिभागिता की और प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अगस्त 2020 को हिंदुस्तान कन्या धन योजना के तहत हिंदी निबंध प्रतियोगिता में 'मेरा हिंदुस्तान एक महाशक्ति' शीर्षक पर प्रेम विद्यालय की छात्रा कनिका गुप्ता को सम्मान समारोह में प्रथम पुरस्कार एवं 9999 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई तथा छात्रा कीर्ति गुप्ता को सम्मान समारोह में तृतीय पुरस्कार एवं 1000 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।

सम्पादकीय मण्डल

संरक्षक : • प्रो. पी.के. कालड़ा
परामर्शक : • प्रो. जे.के. वर्मा
सम्पादक : • डॉ. नमस्या
सहायक सम्पादक : • डॉ. निशीथ गौड़
• डॉ. सूरज प्रकाश
सम्पादन सहयोग : • डॉ. कविता रायजादा
• श्री अमित जौहरी

समाचार संयोजक :
• श्री अतुल सूरी
• डॉ. रचना गुप्ता
• डॉ. बीरपाल सिंह ठेनुआ
• श्री मयंक कुमार अग्रवाल
• श्रीमती सीता पाठक
• डॉ. अभिमन्यु
• डॉ. राजीव रंजन
• डॉ. आरती सिंह
• श्री मनीष कुमार